पन्ना टाइगर रिज़र्व में आवारा कुत्तों का सामूहिक टीकाकरण

चर्चा में क्यों?

जंगली जानवरों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV) संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये, मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिज़र्व (PTR) **और इसके आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के लिये सामूहिक टीकाकरण अभियान** शुरू किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- **कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV):**
  - यह एक **अत्यधिक संक्रामक और संभावित रूप से घातक वायरल संक्रमण है** जो कुत्तों के श्वसन, जठरांत्र और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है।
    - वर्ष 2015 में PTR में एक बाघ और दो तेंदुओं की CDV के कारण मृत्यु हो गई थी, जिससे इस विषाणु के कारण उत्पन्न खतरे पर प्रकाश पड़ा था।
  - इसका उद्देश्य CDV के प्रसार को रोकना तथा रिज़र्व के अन्दर और आसपास के जंगली जानवरों की रक्षा करना है।
- **टीकाकरण योजना:**
  - PTR के बफर ज़ोन के 36 वन्य गाँवों के लगभग 1,150 आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया जाएगा।
  - यह अभियान दो चरणों में साढ़े तीन महीने तक चलाया जाएगा।
- **पन्ना टाइगर रिज़र्व (PTR):**
  - पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष **1981** में हुई थी। इसका भौगोलिक विस्तार **पन्ना और छतरपुर** ज़िलों में है।
    - इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष **1994 में** केंद्र सरकार द्वारा टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया था।
  - यूनेस्को ने **25 अगस्त, 2011 को पन्ना टाइगर रिज़र्व को** बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में नामित किया।
  - PTR में अब **62 बाघ और 500 से अधिक तेंदुए** हैं, जिससे उन्हें संक्रमण से बचाना महत्त्वपूर्ण हो गया है।
- **बाघ का पुनरुत्पादन:**
  - PTR वर्ष 2009 में अवैध शिकार के कारण बाघों की आबादी समाप्त हो जाने के बाद **सफलतापूर्वक बाघों को पुनः स्थापित करने के लिये प्रसिद्ध हो गया।**
  - पन्ना बाघ परियोजना की शुरुआत तीन स्थानांतरित बाघों से हुई: बांधवगढ़ **और** कान्हा राष्ट्रीय उद्यानों से दो बाघिनें और पेंच राष्ट्रीय उद्यान से एक नर बाघ।
  - वर्ष 2009 और वर्ष 2015 के बीच, तीन अतिरिक्त बाघिनें और एक नर बाघ को मध्य प्रदेश के अन्य राष्ट्रीय उद्यानों से PTR में स्थानांतरित किया गया।
  - PTR में बाघों की आबादी वर्ष 2009 में शून्य से बढ़कर वर्ष 2024 में 62 हो जाएगी।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

- यह **मध्य प्रदेश के दो ज़िलों - मंडला और बालाघाट -** में 940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- वर्तमान कान्हा क्षेत्र को **दो अभयारण्यों, हालोन और बंजर में विभाजित किया गया था। वर्ष1955 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया** और **वर्ष 1973 में इसे कान्हा टाइगर रिज़र्व** बना दिया गया।
  - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान **मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।**

पेंच राष्ट्रीय उद्यान

- **यह महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले** में स्थित है और **इसका नाम प्राचीन पेंच नदी के नाम पर** रखा गया है।
  - पेंच नदी उद्यान के ठीक बीच से बहती है।

- यह **उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है,** जिससे **रिज़र्व पूर्वी और पश्चिमी बराबर भागों में विभाजित हो जाता है।**
- PTR **मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों का संयुक्त गौरव** है।
  - यह अभयारण्य मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा ज़िलों में **सतपुड़ा पहाड़ियों** के दक्षिणी छोर पर स्थित है, तथा महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले में एक अलग अभयारण्य के रूप में फैला हुआ है।
- इसे **वर्ष 1975 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान घोषित** किया गया तथा **वर्ष 1998-1999 में इसे बाघ अभयारण्य** का दर्जा दिया गया।
- हालाँकि, वर्ष 1992-1993 में PTR मध्य प्रदेश को भी यही दर्जा दिया गया था। यह सेंट्रल हाइलैंड्स के **सतपुड़ा-मैकल पर्वतमाला** के प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों में से एक है ।
- यह **भारत के महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों (IBA)** के रूप में अधिसूचित स्थलों में से एक है ।
  - IBA **बर्डलाइफ इंटरनेशनल** का एक कार्यक्रम है जिसका **उद्देश्य विश्व के पक्षियों और उनसे संबंधित विविधता के संरक्षण के लिये IBA के वैश्विक नेटवर्क की पहचान, निगरानी और सुरक्षा** करना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mass-vaccination-of-stray-dogs-in-panna-tiger-reserve